

---

.. Shri Subrahmanya Pancharatna Stotra ..

॥ श्रीसुब्रह्मण्यपञ्चरत्नम् ॥

Document Information

---

Text title : subrahmanyapajnccharatnam  
File name : subrahmanya5.itx  
Category : pancharatna  
Location : doc\_subrahmanya  
Language : Sanskrit  
Subject : religion  
Transliterated by : Sunder Hattangadi(sunderh at hotmail)  
Proofread by : Sunder Hattangadi(sunderh at hotmail)  
Latest update : Octobe 27, 1998  
Send corrections to : Sunder Hattangadi(sunderh at hotmail)  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 3, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ श्रीसुब्रह्मण्यपञ्चरत्नम् ॥

षडाननं चन्दनलेपिताङ्गं  
महोरसं दिव्यमयूरवाहनम् ।  
रुद्रस्य सूनुं सुरलोकनाथं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ १ ॥

जाज्वल्यमानं सुरवृन्दवन्द्यं  
कुमार धारातट मन्दिरस्थम् ।  
कन्दर्परूपं कमनीयगात्रं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ २ ॥

द्विषड्भुजं द्वादशदिव्यनेत्रं  
त्रयीतनुं शूलमसी दधानम् ।  
शेषावतारं कमनीयरूपं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ३ ॥

सुरारि घोराहवशोभमानं  
सुरोत्तमं शक्तिधरं कुमारम् ।  
सुधार शक्त्यायुध शोभिहस्तं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ४ ॥


इष्टार्थसिद्धिप्रदमीशपुत्रं  
मिष्टान्नदं भूसुर कामधेनुम् ।  
गङ्गोद्भवं सर्वजनानुकूलं  
ब्रह्मण्यदेवं शरणं प्रपद्ये ॥ ५ ॥

यः श्लोकपञ्चमिदं पठतीह भक्त्या  
ब्रह्मण्यदेव विनिवेशित मानसः सन् ।  
प्राप्नोति भोगमखिलं भुवि यद्यदिष्ट-  
मन्ते स गच्छति मुदा गुहसाम्यमेव ॥

॥ इति श्री सुब्रह्मण्यपञ्चरत्नं समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Sunder Hattangasi sunderh at hot-mail.com

.. Shri Subrahmanya Pancharatna Stotra ..  
was typeset on August 3, 2016

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

